Telangana Today- 21- December-2023

Telangana requests KRMB to stop RLIS works

STATE BUREAU
Hyderabad

State Engineer-In-Chief C Muralidhar on Wednesday requested the KRMB authorities to take immediate steps to restrain Andhra Pradesh from the construction of the Rayalaseema Lift Irrigation Scheme (RLIS).

In a letter addressed to the KRMB Chairman, he said the Board could not initiate action so far despite the issue being brought to its notice through a series of letters. Appealing to the KRMB to act on the issue with a sense of urgency, he said the project was taken up in violation of KWDT-I and the orders of the National Green Tribunal (NGT).

The State had requested KRMB to restrain AP from proceeding with lining works on Srisailam Right Main Canal from the Pothireddypadu Head Regulator. Unfortunately, the KRMB could not restrain Andhra Pradesh from the execution of the said works. The NGT has directed AP not to go ahead with works related to the RLIS without obtaining clearance. He requested KRMB to take immediate steps duly making a site visit to ascertain the factual position.

Millennium Post- 21- December-2023

UNPRECEDENTED FLOODING & RAINFALL IN FOUR SOUTHERN DISTRICTS

Central team assesses damage; TN CM reviews ground situation

OUR CORRESPONDENT

CHENNAI: A team of Central government officials visited Tamil Nadu on Wednesday to assess the damage caused by unprecedented flooding and rainfall in four southern districts.

The central team members visited several areas, inspected damage and interacted with affected people and held discussions with officials. They were taken in boats to several areas in Thoothukudi.

While relief and rescue efforts by state and central agencies continued in full swing, Chief Minister M K Stalin reviewed the progress and directed officials to expedite work.

Normal life continues to be affected in Thoothukudi district in view of heavy inundation and road network continuing to be cut-off in several areas. Flight operations, however, resumed at Thoothukudi airport on Wednesday. Power supply is yet to be resumed in several parts of the Thoothukudi and nearby areas.

Stalin is scheduled to visit Thoothukudi on Thursday to inspect progress of work related to relief and rescue initiatives.

The Army teams rescued people from several regions of Thoothukudi district including Karungulam and Alwarthirunagari. Near Thoothukudi, a car with three passengers was brought to safety.

The Air Force, Navy, and Coast Guard are also involved in relief work alongside the NDRF, TNDRF (TN Disaster Response Force), Fire and Rescue Services, and police personnel. Chief Secretary Shiv Das Meena said 10 helicopters along with 323 boats were also involved in the rescue operation and 27 tonnes of food materials have been provided to people.

Tirunelveli, Kanyakumari and Tenkasi, the three other affected districts are limping back to normalcy with receding flood waters.

The Railway passengers stranded at Srivaikuntam in Thoothukudi district arrived here today from Vanchi Maniyachchi by a special train. A pregnant woman, who was rescued along with her family members from heavily flooded Srivaikuntam by a Defence chopper delivered a baby at a state-run hospital in Madurai.

A Defence release said: 'The Coast Guard continued the flood relief effort on the second day with two ALH helicopters getting airborne with 350 kg of (700 packets) provided by the state administration to air drop in affected areas of Tuticorin,' it said.

A flooded locality following rains in Thoothukudi, on Tuesday PTI

Highlights

- The central team members visited several areas, inspected damage and interacted with affected people and held discussions with officials
- While relief and rescue efforts by state and central agencies continued in full swing, Chief Minister MK Stalin reviewed the progress and directed officials to expedite the work
- Stalin is scheduled to visit Thoothukudi on Thursday to inspect the progress of work related to relief and rescue initiatives

Jansatta- 21- December-2023

पानी रे पानी

पूनम पांडे

दुनिया मेरे आगे

इस जगत में सांस लेने के लिए स्वच्छ वायु के बाद हर किसी को पीने के लिए पानी ही चाहिए। मगर कुछ लालची लोगों को पीने के बाद भी चाहिए खूब सारा पानी। इधर-उधर, यहां-वहां यों ही उड़ेलने के लिए भी। पानी बहाने वालों को देखकर काफी कुछ सोचने पर मजबूर होना पड़ता है। पानी के उपयोग का यह बिगड़ा हुआ तारतम्य हमारे देश में एक विडंबना है कि कोई अपनी कार धोने के लिए सैकड़ों लीटर पानी बहाता है और किसी को उपयोग के लिए एक बाल्टी पानी भी मयस्सर नहीं। सच्चाई यह है कि पानी की उपलब्धता सुनिश्चित तो हो! जो खरीद सकता है उसके लिए पानी विदेश से भी आ रहा है, पर जो गरीब है, वह एक गिलास साफ पानी के लिए तरस रहा है। आज भारत के लगभग दो हजार कस्बों में नदियां हैं, मगर इतनी गंदी कि उन कस्बों में पीने का पानी नहीं है। हर दो दिन बाद टैंकर से पानी आता है।

पानी कुदरत की देन है। मगर बारिश का यह कीमती, चमकदार पानी अपने लिए कोई सही ठौर-ठिकाना न पाकर स्मार्ट सिटी की तंग गलियों में बदबू मारता सड़ता है। हम कभी नहीं समझते, मगर पानी हमको समझाता है। हजारों साल से एक शाश्वत सत्य दोहराया जाता रहा है कि जल संकट से उबरने का सबसे सरल उपाय है कि बारिश का पानी संचित किया जाए। यह अनेक बार सिद्ध हो चुका है कि बारिश का पानी बेहद शुद्ध तथा लाभदायक होता है। लेकिन इस तरफ जागरूकता अभी तक काफी कम है। हम साल भर अपने घरेलू उपयोग में पानी की जरूरत महसूस करते हैं। आमतौर पर व्यक्ति रोजाना अपने लिए लगभग चालीस-पचास लीटर पानी उपयोग में लेता ही है। मगर हमारा यह उपयोग किया गया पानी जमीन में नहीं जाता। वह नाली में, नाले में फंस कर सड़ता है।

मानव सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुआ है। भारतीय संस्कृति में तो नदी को माता कहा ही इसलिए गया कि नदी पीने योग्य जल देती है। खेत सींचती है। मगर लालची मानव सभ्यता ने जल्दी विकास के चक्कर में फंसकर सारी नदियां विषैली कर दीं। हमारे देश की चार सौ नदियां भयंकर प्रदूषण का शिकार हैं। ऐसा माना जा रहा है कि आने वाले समय में ये चार सौ नदियां नाला बन जाएंगी। भूजल का स्तर कम होने से चेन्नई जैसा महत्त्वपूर्ण शहर पानी के उपयोग को सीमित कर रहा है। हालांकि यह कल-कारखानों की भी करतूत है कि जल स्तर कम हो गया है। कुछ जागरूक शहरों में जनता ने अपने स्तर पर पानी बचाओ समूह बना रखे हैं। ये लोग शपथ लेते हैं कि किसी भी तरह से हर व्यक्ति अपने हिस्से का कम से कम एक बाल्टी पानी रोज बचाएगा। उसके लिए कालोनी में टैंकर रखे गए हैं। लोग पूरी जिम्मेदारी के साथ वह बाल्टी उसमें भर दिया करते हैं। अब उस बचाए हुए जल से ही कालोनी के पार्क और बगीचे हरे-भरे रखे जाते हैं। धीरे-धीरे इतना अनुशासन आ गया है कि लोग हर दिन दो बाल्टी पानी बचाते हैं। मगर ऐसे उदाहरण इक्का-दुक्का ही मिलेंगे।

यह आशा की किरण तो है ही, मगर नक्कारखाने में तूती की आवाज जैसा ही एक गिलहरी प्रयास है। भारत के हजारों शहरों, कस्बों, गांवों तक यह बात पहुंचानी चाहिए कि पानी यों ही बर्बाद न किया करें। भविष्य बचाना है तो पानी को बचाने के लिए जागरूकता हर जगह होना ही चाहिए। एक बुजुर्ग महिला ने बहुत अच्छी बात कही थी कि पानी बचाने की जगह उसको बर्बाद न करने की बात सिखाना चाहिए। कहीं एक लोकगीत भी बज रहा था, जिसका बहुत ही प्यारा संदेश यह था कि पानी को व्यर्थ न फेंकने से अपार समृद्धि आती है। पानी बचाने से खुशहाली, संतुलन, स्वस्थ दिमाग की बेहद प्रेरक बात उस गीत में अभिव्यक्त हो रही थी।

आंकड़े बताते हैं कि संसार में पानी की लगभग एक करोड़ बोतलें खरीदी जाती हैं। कई बार आधा बोतल पानी पीकर फेंक दी जाती है। यह जल का अपमान है। हम सब एक टालने वाली मानसिकता के आदी हो गए हैं। हम गमले, बगीचे आदि की सिंचाई के लिए रसोई और स्नानघर का पानी उपयोग में नहीं लेते। हर दिन लाखों लीटर पानी गटर में चला जाता है, मगर धरती तरस जाती है कि पानी उसके पास वापस नहीं आता। घरेलू उपयोग में हम नब्बे फीसद पानी फेंक दिया करते हैं।

इसका सबसे शर्मनाक उदाहरण है आरओ का प्रयोग। आरओ इस तरह काम करता है कि दस लीटर पानी साफ करना है तो पच्चीस लीटर पानी बर्बाद होता है। वह पानी जाता कहां है? गटर में। पानी का इतना अपमान। जिस भारत देश में हर महीने जल की पूजा या अर्चना का कोई न कोई त्योहार मनाया जाता है, जहां बालक के जन्म से लेकर बुजुर्ग की मौत तक जल का संस्कार होता है, वहीं लोग बेहद निर्ममता के साथ जल का दुरुपयोग करते हैं। पानी की कीमत न समझने, उसे तरह-तरह से बर्बाद करने का परिणाम यह है कि पूरे देश में आज से बीस साल पहले जो जल उपलब्धता थी, वह काफी कम हो गई है।